भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न सं. †1794
सोमवार, 31 जुलाई, 2023/9 श्रावण, 1945 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

क्रूज पर्यटन के विकास हेतु आवंटित निधि

†1794. श्री जी. सेल्वम:
श्री सी.एन. अन्नादुरई:
श्रीमती मंजुलता मंडल:
श्री धनुष एम. कुमार:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार क्रूज पर्यटन को विकसित करने की योजना बना रही है जिसमें आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में तमिलनाडु सहित पूरे देश के लिए अपार संभावनाएं हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने देश के उन राज्यों को चिह्नित किया है जिनमें क्रूज पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) देश में अपार संभावनाएं होने के बावजूद क्रूज पर्यटन के कम विकास के क्या कारण हैं;

(घ) विगत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष के दौरान देश में क्रूज पर्यटन के विकास के लिए कितनी धनराशि आबंटित की गई है;

(ङ) क्या सरकार ने देश में क्रूज पर्यटन के लिए कार्य योजना तैयार की है यदि हां, तो इससे कितना रोजगार सृजित होने की संभावना है;

(च) देश में क्रूज पर्यटन को बढ़ावा देने में सरकार को किन-किन समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है; और

(छ) सरकार द्वारा जनता के बीच क्रूज पर्यटन को लोकप्रिय बनाने के लिए अन्य कौन-कौन से कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (छ): क्रूज पर्यटन सहित पर्यटन का संवर्धन और विकास मुख्य रूप से राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों की जिम्मेदारी है।

हालांकि, पर्यटन मंत्रालय समग्र रूप से भारत का संवर्धन करता है। अपनी चल रही गतिविधियों के भाग के रूप में मंत्रालय देश के विभिन्न पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों को प्रोत्साहित करने के लिए 'अतुल्य भारत' ब्रांड-लाइन के तहत महत्वपूर्ण और संभावित विदेशी बाज़ारों में वैश्विक प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और ऑनलाइन मीडिया अभियान जारी करता है।

शक्तियों, कमियों, अवसरों, जोखिमों (एसडब्ल्यूओटी) का विश्लेषण करने के पश्चात् और भारत को वैश्विक रूप से क्रूज पर्यटन के लिए एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में स्थापित करने के लिए पर्यटन मंत्रालय ने क्रूज पर्यटन हेतु एक राष्ट्रीय कार्यनीति तैयार की है। अवसंरचना और परिपथ सक्षमता, बाज़ार विकास और कौशल विकास के लिए कार्यनीति दस्तावेज़ में निम्नलिखित कार्यनीति संबंधी स्तंभों को चिह्नित किया गया हैः

i. अवसंरचना और परिपथ सक्षमता
ii. बाज़ार विकास
iii. क्रूज पर्यटन के लिए व्यवसायिक सुगम्यता
iv. क्रूज टर्मिनल के आस-पास एकीकृत पर्यटन
v. क्रूज पर्यटन में निवेश की सुविधा और संवर्धन
vi. क्रूज पर्यटन के लिए कौशल विकास
vii. संस्थागत संरचना और शासन

पर्यटन मंत्रालय 'पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता' योजना के तहत क्रूज पर्यटन और नदियों में क्रूज़िग सहित पर्यटन के विकास के लिए केंद्र सरकार की एजेंसियों को भी वित्तीय सहायता प्रदान करता है। पिछले तीन वर्षों में केंद्रीय एजेंसियों को सहायता योजना के तहत पत्तनों और जलमार्गों पर अवसंरचना विकास हेतु स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

पर्यटन मंत्रालय ने प्रथम अतुल्य भारत अंतर्राष्ट्रीय क्रूज सम्मेलन के दौरान पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के साथ भागीदारी की। सम्मेलन में क्रूज पर्यटन क्षेत्र में व्यापार संबंधी प्रचुर अवसरों को दर्शाया गया।

इसके अलावा, जैसाकि भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण द्वारा सूचित किया गया है कि फेयरवे, टर्मिनल, जेट्टीज़, नौवहन सहायता आदि सहित आईडब्ल्यूएआई द्वारा राष्ट्रीय जलमार्गों पर परिवहन हेतु विकसित अवसंरचना का उपयोग रिवर क्रूज पर्यटन ऑपरेटरों द्वारा भी किया जाता है।

भारत के माननीय प्रधानमंत्री ने दिनांक 13 जनवरी, 2023 को बांग्लादेश के रास्ते वाराणसी एनडब्ल्यू-1 (गंगा नदी) से डिब्रूगढ़ एनडब्ल्यू-2 (ब्रह्मपुत्र नदी) तक विश्व का सबसे लंबे रिवर क्रूज को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जिसने डिब्रूगढ़, असम में दिनांक 28.02.2023 को लगभग 3200 कि.मी. की जलमार्ग दूरी सफलतापूर्वक पूरी की।

****

अनुबंध

क्रूज पर्यटन के विकास हेतु आवंटित निधि के संबंध में दिनांक 31.07.2023 के लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. †1794 के भाग (क) से (छ) के उत्तर में **विवरण**

पिछले तीन वर्षों में केंद्रीय एजेंसियों को सहायता योजना के तहत पत्तनों और जलमार्गों पर अवसंरचना विकास हेतु स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण

(लाख रु. में)

क्र. सं.	**राज्य/संघ राज्यक्षेत्र**	**वर्ष**	**परियोजनाओं का नाम**	**कार्यान्वयन एजेंसी**	**स्वीकृत राशि**
1.	गोवा	2021-22	मोर्मुगांव पोर्ट ट्रस्ट (एमपीटी) द्वारा मोर्मुगांव पोत, गोवा में अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू जहाज़ों के लिए सुविधाओं का निर्माण	मोर्मुगांव पोर्ट ट्रस्ट	5000.00
2.	महाराष्ट्र	2021-22	इंदिरा डॉक, मुंबई पोर्ट ट्रस्ट पर अंतर्राष्ट्रीय क्रूज टर्मिनल का उन्नयन/आधुनिकीकरण	मुंबई पोर्ट ट्रस्ट	3750.00
				कुल	**8750.00**

****